>

Title : Need to check the ill-effects of genetically modified foodgrains and vegetables produced in the country.

श्री निनोंग ईरींग (अरुणाचल पूर्व): आनुवंशिक रूप से संशोधित खाद्य पदार्थों जो कि असंवघित जीव जैसे जीवाणु एवं जानवरों के जींस यानी आनुवंशिक गुणों के जीवाणु को हमारे दिन प्रतिदिन प्रयोग में लाए जाने वाले खाद्य पदार्थों के पौधों जैसे बैंगन, टमाटर, भिण्डी, पत्तागोभी, आलू, लौकी इत्यादि पौधे जोकि हमारे भारतवर्ष में लगभग 56 प्रकार के पौधे हैं, की कोशिकाओं में कृत्रिम रूप से प्रत्यारोपित कर दिया जाता है जिससे उनकी पैदावार में दिन दुगनी रात चौगुनी बढ़ोत्तरी हो जाती है जो आर्थिक रूप से लाभप्रद हो जाता है। इनके सेवन से हमारे महत्वपूर्ण अंगों जैसे गुर्दे, लीवर और दिमाग की रोग प्रतिरोधक क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, इतना ही नहीं, इसका दूप्रभाव पर्यावरण पर भी पड़ता है, जो प्रमाणित हो चुका है। हमारे किसान भाई बी.टी. कपास अति अधिक लाभ के लिए उगा रहे है जिसका पर्यावरण पर दूप्रभाव देखने को मिलता है। अतः हमें इस प्रकार के खाद्य पदार्थों से अविलम्ब सावधान रहने की आवश्यकता है।